an>

Title: Need for strengthen of river embankment in Bihar with a view to check devastation caused due to recurring flood in the state.

श्री आलोक कुमार मेहता (समस्तीपुर) : सभापति महोदया, मैं सरकार का ध्यान इस वर्ष बिहार में आयी भीषण बाढ़ और उससे प्रभावित होने वाली आम जनता, इफ्रास्ट्रक्चर की ओर ध्यान खींचना चाहता हूं। यह अत्यन्त लोक महत्व का विषय है। इस संदर्भ में, मैं आपके माध्यम से सरकार के समक्ष कुछ बातों को रखना चाहता हूं। इस वर्ष बिहार में बाढ़ ने 60 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। बाढ़ से वहां 17 जिले प्रभावित हुए। इन 17 जिलों में लगभग 22 स्थानों पर बांध टूट गये। बांध टूटने के कारण नदी का पानी लगभग दो महीने तक बड़े क्षेत्र में फैला रहा जिसके कारण लाखों लोग विस्थापित हो गये। उन लोगों को महीनों तक ऐसी जगहों पर रहना पड़ा जहां न ऊपर छत थी और न नीचे रहने के लिए कोई स्थान था। वहां लोग परेशानी में जीते रहे। बिहार सरकार ने जो इंतजाम किये, वे बिल्कुल अपर्याप्त थे। फ्लड फाइटिंग और आपदा प्रबंधन के नाम पर वहां कुछ नहीं था। वहां कार्य बहुत मंथर गति से चल रहा था। मैं आपको बताना चाहूंगा कि बांधों की मरम्मत के लिए दिसम्बर, 2006 में बिहार सरकार द्वारा टेंडर निकाला गया जो मार्च, 2007 में भरा गया। जबकि उस समय तक टेंडर खुलकर काम शुरू हो जाना चाहिए था। बांधों की मरम्मत का काम जून, 2007 तक खत्म होना था। बिहार में अगस्त के अंत में बाढ़ आयी, लेकिन उस समय तक टेंडर नहीं खुला था। आश्चर्य की बात है कि आज तक वह टेंडर नहीं खुला है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि 15 लाख लोग सिर्फ एक जिले में विस्थापित हुए। ...(व्यवधान)

सभापति महोदया : आप अपनी बात एक लाइन में कहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री आलोक कुमार मेहता : यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। सदन में इस विषय को उठाना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मामला सिर्फ एक सरकार और एक मंत्री के कहने से हल नहीं होगा। यह बहुत बड़ा क्षेत्र है। सिर्फ एक जिले में सात नदियां हैं। इसमें नील नदी, बाया नदी, बागमती, गंगा, बूढ़ीगंडक, कमलाबालान जैसी नदियां हैं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदया : आपको सैंट्रल गवर्नमैंट से जो चाहिए, उसे आप एक लाइन में कहिए।

श्री आलोक कुमार मेहता : मैं वही बोल रहा हूं। केन्द्र सरकार से हमारी गुजारिश है कि इन नदियों की ड्रेजिंग करने की योजना बनायी जाये। उसके नीचे तलहटी से मिट्टी और बालू को निकालकर उसकी गहराई बढ़ायी जाये ताकि आने वाले दिनों में बाढ़ की विभीषिका पर नियंत्रण लगाया जाये। बिहार सरकार पर अंकुश लगाया जाये और उन पर नियंत्रण करके जल्द से जल्द उन बांधों की मरम्मत कराने का इंतजाम कराया जाये।